भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2894

जिसका उत्तर 12 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

गंगा उत्सव की भूमिका

2894. श्री कंवर सिंह तंवर:

श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गंगा नदी के संरक्षण और श्रद्धा को बढ़ावा देने में गंगा उत्सव की क्या भूमिका है;

(ख) गंगा बेसिन में स्थित कितने जिलों ने गंगा उत्सव 2024 में भाग लिया; और

(ग) जल संरक्षण में जन भागीदारी का क्या महत्व है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): गंगा उत्सव का मुख्य उद्देश्य गंगा बेसिन के किनारे जीवन-यापन कर रहें लोगों में जन जागरूकता, प्रतिभागिता, सहभागिता और व्यवहारिक बदलाव लाया जाए। यह उत्सव गंगा नदी के संरक्षण में पर्णधारकों की सहभागिता और जन भागीदारी को बढ़ावा देते हुए गंगा नदी को पुनर्जीवित करने में जन भागीदारी की महत्ता को हाइलाइट करता है।

गंगा उत्सव, 2024, नदी संरक्षण की दृष्टि से तकनीकी, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और शैक्षणिक कार्यकलापों का एक सम्मिश्रण है। भारत में पहली बार, एक केंद्रीय स्तर के कार्यक्रम को गंगा नदी के तट पर एक उत्सव के रूप में मनाया गया, ताकि वह नदियो के लिए एक आदर्श उत्सव के रूप में मनाया जाए। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चे, कॉलेज स्टुडेंट, नदी व्यवसायी, शहरी स्थानिय निकायों के अधिकारी, एनएमसीजी के पार्टनर, कंपनी, आध्यात्मिक गुरू, केंद्रीय अधिकारी और उत्तराखंड राज्य सरकार और एनएमसीजी के अधिकारी और कर्मचारी द्वारा एक वैविध्यपूर्ण भागीदारी शामिल थी। यह कार्यक्रम चांदी घाट, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में "नागरिकों द्वारा शहरी नदी प्रबंधन", उपचारित जल पुनःउपयोग: कार्य करने की नीति और नदी संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे तकनीकी सत्रों को शामिल किया गया। इससे नदी की आध्यात्मिकता और संरक्षण से जुड़ी गहरी जड़ों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक आध्यात्मिक सत्र आयोजित किया गया। युवाओं और बच्चों को नदियों से जोड़ने के लिए कहानी सुनाने का सत्र के साथ-साथ गंगा से संबंधित फिल्में दिखायी गई। विभिन्न पणधारकों द्वारा तकनीकी, जैव-विविधता, नमामि गंगे की पहल और प्रभाव और अन्य संबंधित विषयों पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। गंगा आरती, गंगा बेसिन में और उसके चारों ओर सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिकों के साथ नदी जुडाव को सुदृढ़ बनाती है।

(ख): गंगा नदी की मुख्य धारा पर 139 जिले हैं, जिन्हें जिला गंगा समिति के रूप में अधिसूचित किया गया है। इसमें से, वर्ष 2024 में 110 जिलों से अधिक में गंगा उत्सव मनाया गया।

(ग): जन भागीदारी जल संसाधन के संरक्षण और कुशल प्रबंधन की कुंजी है। समाज के सभी वर्गों से सामुहिक प्रयास सहित बड़ी संख्या में जन भागीदारी जल संरक्षण के लिए विभिन्न पहल और कार्यकलापों की एक स्थायी कुंजी है। घरेलू स्तरों पर जल के कम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जल की कटौती, पुनःचक्रण और पुनःउपयोग के सिद्धांत, वर्षा जल संचयन द्वारा जल संरक्षण, सामुदायिक स्तर पर उपचारित जल का पुनःउपयोग आदि जल संरक्षण और सतत जल कार्यकलापों पर जागरूकता लाने से जुड़े कुछ कार्यकलाप है।

*****